चित्रकार हाथी

साशी, हिंदी : विदूषक

चित्रकार हाथी

साशी, हिंदी : विदूषक

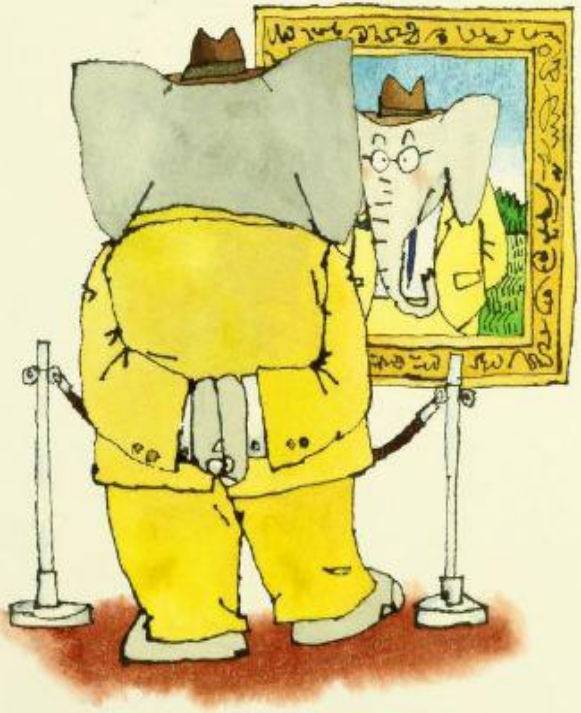

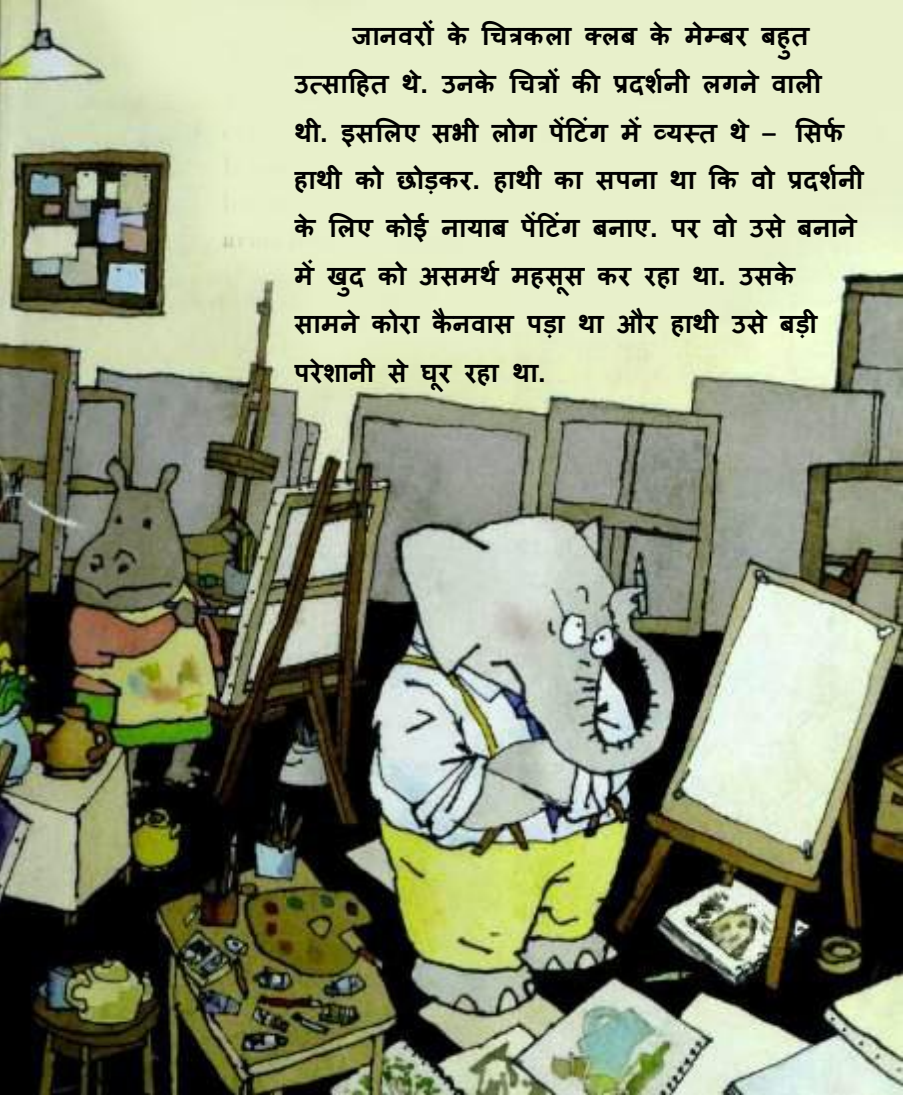

जानवरों के चित्रकला क्लब के मेम्बर बहुत उत्साहित थे. उनके चित्रों की प्रदर्शनी लगने वाली थी. इसलिए सभी लोग पेंटिंग में व्यस्त थे – सिर्फ हाथी को छोड़कर. हाथी का सपना था कि वो प्रदर्शनी के लिए कोई नायाब पेंटिंग बनाए. पर वो उसे बनाने में खुद को असमर्थ महसूस कर रहा था. उसके सामने कोरा कैनवास पड़ा था और हाथी उसे बड़ी परेशानी से घूर रहा था.

हाथी ने एक गुलदस्ते की पेंटिंग बनाई.

फिर उसने अपने एक मित्र की पेंटिंग बनाई.

उसके बाद उसने एक अमूर्त पेंटिंग बनाई.

पर उसे अपनी बनाई कोई भी पेंटिंग पसंद नहीं आई.

"मेरे दिमाग में चित्रकार की रूकावट आ गई है," हाथी ने आंह भरते हुए कहा.

तुम बाहर जाकर कोई लैंडस्केप (भू-दृश्य) क्यों नहीं पेंट करते," मिस हिप्पो ने चाय के समय हाथी को सलाह दी.

"यह एक बढ़िया आईडिया है!" शेर ने कहा. "मेरी राय में एक अच्छा लैंडस्केप, आत्म-चित्र जितना ही अच्छा होता है."

शेरे खुद एक बहुत काबिल चित्रकार था.

"आपकी राय मुझे ठीक लगी है," हाथी ने कहा. "मैं उसपर ज़रूर अमल करूंगा."

फिर अगले दिन सुबह तड़के हाथी उठा और फिर वो शहर के बाहर गाँव की ओर चला.

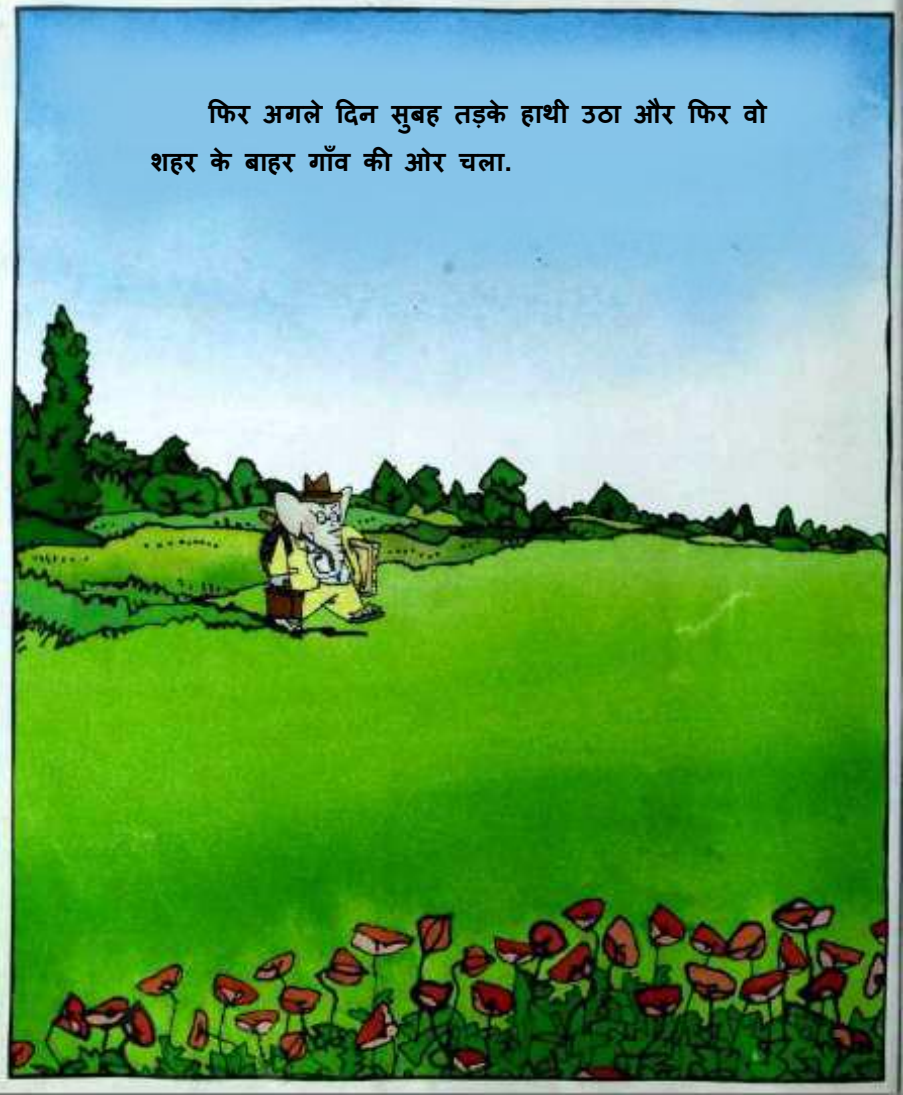

कुछ देर चलने के बाद उसे एक बहुत सुन्दर दृश्य दिखा. एक पुराना बाँझ का पेड़ था जो चारों ओर हरे पेड़ों से घिरा था.

"मैं इसका एक सुन्दर लैंडस्केप पेंट करूंगा," हाथी ने कहा. फिर उसने तुरंत चित्र बनाने के बोर्ड को वहां फिट किया.

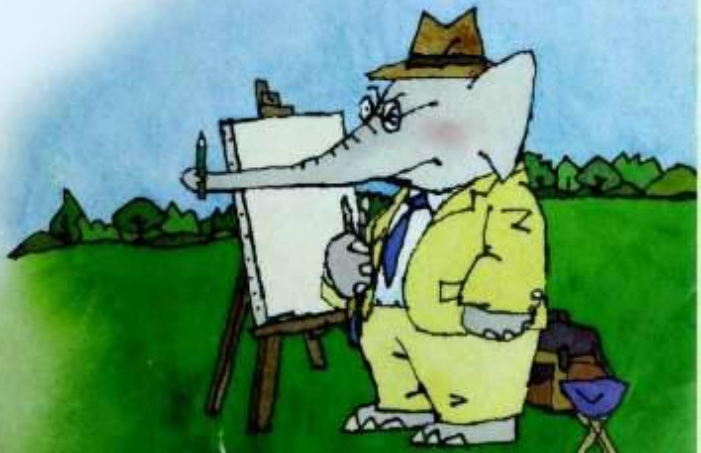

हाथी पूरी सुबह काम करता रहा. दोपहर तक हाथी बाँझ का पेड़ और उसकी पृष्ठभूमि पेंट कर चुका था.

"मुझे यह लैंडस्केप ठीक-ठाक लगती है," हाथी ने कुछ अनिश्चितता के साथ कहा. "चलो अच्छी शुरुआत तो हुई. दोपहर के खाने के बाद मैं और बेहतर काम करूंगा."

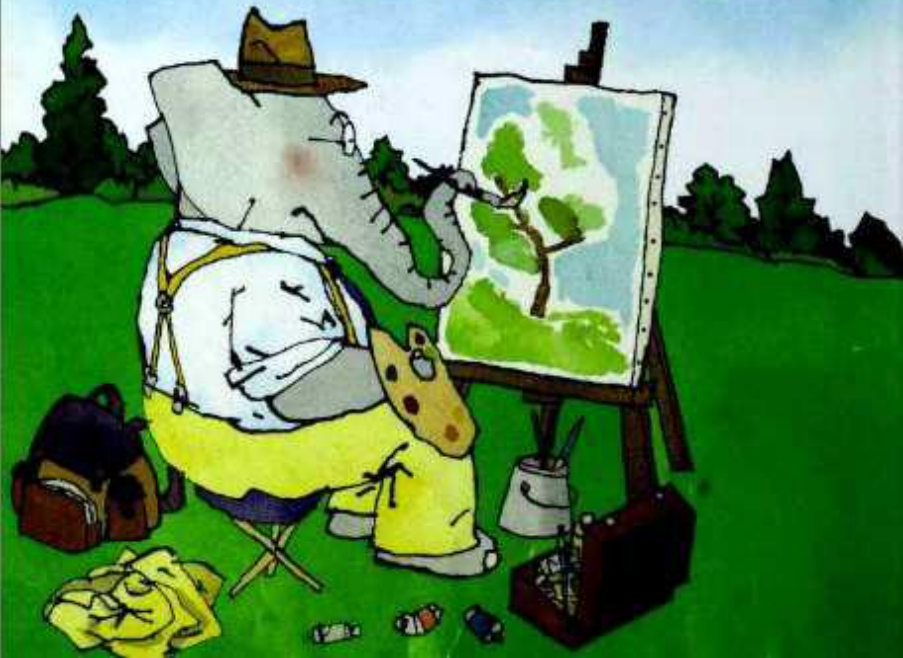

हाथी अपने साथ एक बड़ा टिफ़िन बॉक्स लाया था.

“कोई हाथी सिर्फ कला के बल पर ज़िन्दा नहीं रह सकता है,” उसने आंह भरते हुए कहा. फिर भूखे हाथी ने पेट भरकर खाना खाया.

खाना खाने के बाद हाथी को नींद आने लगी. फिर उसने कुछ देर आराम करने की सोची. कुछ मिनटों बाद वो खर्राटें भर रहा था.....

तभी वहां से एक भेड़ गुज़री. उसे एक खेत के बीच में बोर्ड पर एक पेंटिंग दिखी.

"अरे! एक पेंटिंग! यह तो बड़ी रोचक है!"

पर जब भेड़ उस पेंटिंग को प्रशंसा से देख रही थी, तभी उसे पेंटिंग में कुछ अटपटा नज़र आया.

"अब मुझे समझ में आया. इस पेंटिंग में जो घास बनी है वो बिल्कुल बेस्वाद है!"

उसके बाद भेड़ ने पेंट
ब्रश उठाया और घास को
स्वादिष्ट हरा रंगा.

उसके बाद एक गिलहरी पेंटिंग को देखकर रुकी.

“अरे एक पेंटिंग! वो चिल्लाई, और फिर उसने पेंटिंग को उत्सुकतावश देखा.

“इसमें कोई अखरोट नहीं हैं! कोई भी फल नहीं हैं!”

फिर गिलहरी ने ब्रश उठाया और बाँझ के पेड़ पर कई अखरोट पेंट करे.

तभी एक चिड़िया उड़ती हुई आई और उसने भी पेंटिंग को देखा.

“मेरी राय में यह पेंटिंग बिल्कुल निराशाजनक है,” उसने कहा.

“कोई चिड़िया इतने बेरंग और सूने आकाश में भला कैसे उड़ेगी.”

फिर चिड़िया ने ब्रश को अपनी चोंच में पकड़ा और आसमान को चमकीला नीला रंगा.

उसके बाद वहां एक जंगली सुअर टहलता हुआ आया. उसने भी कैनवास पर बनी पेंटिंग को देखा और वो उसे निहारने लगा. “भाई, इस पेंटिंग से तो काम नहीं चलेगा! यहाँ पर वो साएदार झुरमुटा कहाँ है, जहाँ मैं आराम करता हूँ? शायद आर्टिस्ट उसे बनाना भूल गया?” फिर उसने लैंडस्केप में गहरे हरे रंग से पेड़ों का एक झुरमुटा बनाया.

फिर मधुमक्खियों का एक झुंड भिनभिनाता हुआ वहां आया.

“भिन, भिन! भिन, भिन! कोई फूल नहीं! फिर भला क्या फायदा!” फिर मधुमक्खियों ने ब्रश उठाकर लैंडस्केप में फूल भरे.

अब पेंटिंग पहले से कहीं बेहतर दिख रही थी.

जब जानवर, चिड़ियाँ और मधुमक्खियां पेंटिंग की प्रशंसा कर रहे थे, तभी वहां भेड़िया आ पहुंचा.

उसने पेंटिंग पर एक पैनी नज़र डाली पर वो कुछ नहीं बोला.

"देखो...." अंत में भेड़िये ने कहा. "आपने जो कुछ किया है वो बहुत अच्छा किया है. पर इस पेंटिंग को कुछ और बेहतरीन बनाया जा सकता है. आप सब लोग पेड़ के सामने खड़े हों जाएँ और वहां बिल्कुल शांत रहें. इसमें कोई ज्यादा समय नहीं लगेगा."

फिर भेड़िये ने पेंट ब्रश उठाया और पेंट करना शुरू किया.

जब भेड़िये ने पेंट करना ख़त्म किया तब सब जानवर उसे देखने और निहारने आए. उन्हें अब पेंटिंग को देखकर बेहद आश्चर्य हुआ. फिर एक-के-बाद करके सभी ने पेंटिंग की बहुत तारीफ की.

“अरे यह तो बेहद खूबसूरत है!”

“आलीशान!”

“श्रीमान भेड़िये आपने तो कमाल ही कर दिया!”

“भिन! भिन! जीनियस!”

फिर सभी जीव अपने-अपने घर चले गए.

कुछ देर बाद हाथी जंभाई लेता हुआ उठा.

"मुझे कितना अजीब सपना आया," उसने कहा.
"और अब यह पेंटिंग कितनी सुन्दर लग रही है....
अब आगे क्या करना है यह मुझे पता है!"

उसके बाद हाथी ने अपना सब सामान बाँधा और घर वापिस चला.

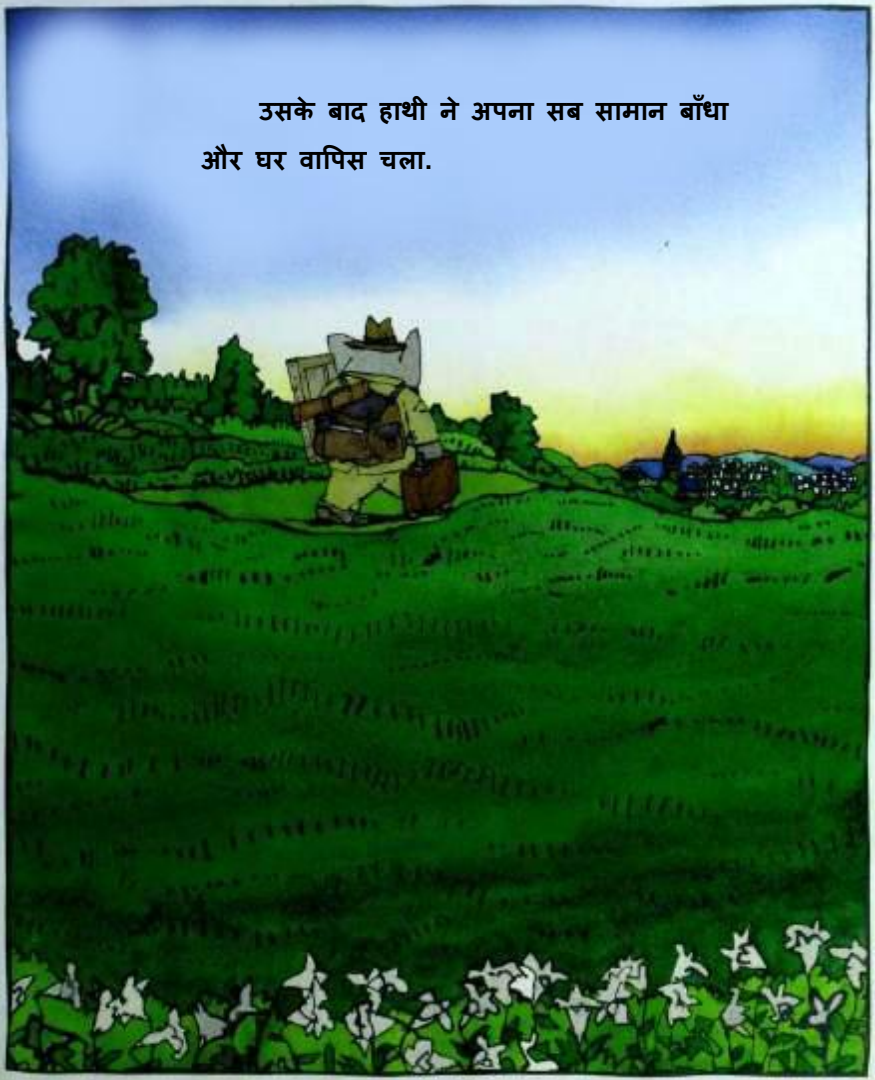

पेंटिंग की प्रदर्शनी में हाथी की पेंटिंग सबसे अव्वल नंबर पर रही. पूरे शहर में उसकी वाह-वाही हुई!

“अरे यह पेंटिंग तो बेहद खूबसूरत है!”

“आलीशान है!”

“हाथी ने तो कमाल ही कर दिया!”

“वो जीनियस है!”

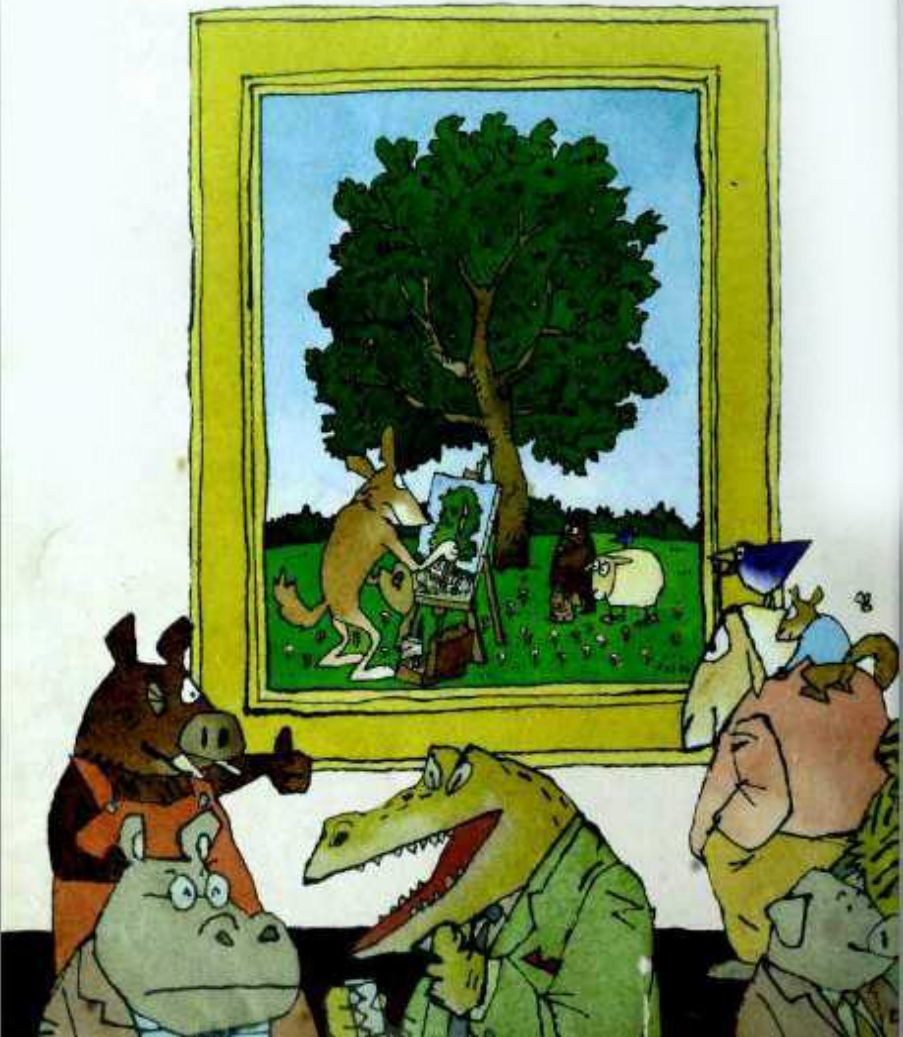

हाथी का सपना पूरा हुआ.

हाथी का सपना एक नायाब पेंटिंग बनाने का था.
पर जो कुछ भी उसने बनाया वो उसे ठीक नहीं लगा.
बताओ, वो इस समस्या से अब कैसे निबटे!